

प्रेषक:

अरविन्द सिंह ह्यांकी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

वित्त अधिकारी,
इस्पात गैक अनुभाग,
उत्तरांचल शासन।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक 29 अगस्त, 2005

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2005-06 में विशेषज्ञ सेवाएँ प्राप्त करने हेतु शुल्क अदा करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 3374/1/2005-04(1)/27/05 दिनांक 20/07/2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि स्टिन्डरशिप पर विशेषज्ञ सेवाएँ प्राप्त करने हेतु 16 व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के भुगतान में रु० 13.55 करोड़ एवं मद संख्या 42-अन्य व्यय में रु० 15.00 लाख की घनराशि आपके निवेदन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबंधों को जमीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- निवेदन पर रखी जा रही उक्त घनराशि से आवश्यकतानुसार मदवार स्वीकृति के आदेश ऊर्जा विभाग द्वारा भिन्नानुसार अपने स्तर से निर्गत किए जाएंगे।
- 2- व्यय करने समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर प्रवोज - अथवा टेण्डर / कंटेनर विभाग नियमों का अनुपालन किया जाएगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही घनराशि का अन्यत्र विवर्तन न किया जाय और यह बिल प्रयोजन हेतु स्वीकृत की जा रही है इसका व्यय केवल उरी प्रयोजन हेतु ही किया जायेगा। साथ ही स्वीकृति के साक्ष्य कोई घनराशि किसी भी कारण से बमती है तो उसे तत्काल शासन को वापस कर दिया जायेगा। स्वीकृत की जा रही घनराशि का समस्त वित्तीय नियमों का अनुपालन करते हुये भुगतान किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत की जा रही घनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा और व्यय की गई घनराशि का योजनावार विवरण ऊर्जा विभाग तथा वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा। तब तक कोई घनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
- 5- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 21 के लेखाशीर्षक 2801-विजली-00-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य-03-परियोजनाओं की प्रारम्भिक चोसरी तथा रिपोर्टिंग हेतु व्यय-00-16-व्यावसायिक सेवा तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान तथा 42-अन्य व्यय के तहत आया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 1365/XXVII(3)/2005, दिनांक 24 अगस्त 2005 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

/

(अरविन्द सिंह ह्यांकी)
अपर सचिव

✓

